

## सी-प्लेन सर्वसि

### प्रलिम्सि के लयि:

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, सी-प्लेन

### मेन्स के लयि

सी-प्लेन का आर्थिक महत्त्व

## चर्चा में क्यों?

देश में पहली बार एक वशिष सेवा के रूप में 19 सीटर सी-प्लेन (**Seaplane**) जसि गुजरात में साबरमती रविरफ्रंट (Sabarmati Riverfront) और सरदार वल्लभभाई पटेल की 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' (Statue of Unity) के बीच उड़ानों के लयि इस्तेमाल कयि जाएगा, रवविर को मालदीव से भारत पहुँचा ।



## प्रमुख बडि:

- समुद्र में संचालन योग्य यह वमिन अहमदाबाद जाने के रास्ते में कोचची पहुँचा और वेंदुरुथी चैनल (Venduruthy Channel) में सुरकषति उतरा, जहाँ नरमदा ज़िले में साबरमती रविरफ्रंट और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के बीच देश की पहली सी-प्लेन सेवा शुरू की जाएगी ।
- केंद्रीय शपिगि राज्य मंत्री मनसुख मंडावयिा के अनुसार, यद सब सुचारु रूप से रहा तो [सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती](#) पर 31 अक्टूबर, 2020 से यह सेवा शुरू होने की संभावना है ।
- स्पाइसजेट कंपनी ने ट्वनि ओटर (Twin Otter) 300 सी-प्लेन को करिए पर लयिा है, जसिमें एक बार में 12 यात्री उड़ान भर सकेंगे ।

## भारत की पहली सी-प्लेन परयिोजना:

- देश का पहला सी-प्लेन प्रोजेक्ट केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक नरिदेश का हसिसा है ।
- इस नरिदेश के अनुसार, भारतीय वमिनपत्तन प्राधकिरण (Airports Authority of India- AAI) ने गुजरात, असम, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की राज्य सरकारों तथा अंडमान एवं नकिोबार के प्रशासन से पर्यटन कषेत्र को बढावा देने के लयि पानी के एयरोड्रोम स्थापति करने हेतु संभावति स्थानों का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध कयिा गया है ।

## सी-प्लेन सर्वसि का पर्यावरण पर प्रभाव:

- [प्र्यावरणीय प्रभाव आकलन अधसिचना, 2006](#) और इसके संशोधनों की अनुसूची में जल एयरोड्रोम एक सूचीबद्ध परयिोजना/गतविधि नहीं है ।
- हालाँकि एक वशिषज्ञ मूल्यांकन समति की राय यह थी कवाटर एयरोड्रोम परयिोजना के तहत प्रस्तावति गतविधियों के एक हवाई अड्डे के समान प्रभाव हो सकते हैं ।

- नर्मदा में शूलपाणेश्वर वन्यजीव अभयारण्य परस्तावति परयोजना स्थल से दक्षिण-पश्चिम दिशा में 2.1 किलोमीटर की अनुमानित हवाई दूरी पर स्थित है, जबकि निकटतम आरक्षण वन पूर्व दिशा में 4.7 मीटर की दूरी पर स्थित है, जो स्थानीय संवेदनशील पशु वर्ग प्रजातियों के संरक्षण के लिये जाना जाता है।

## शूलपाणेश्वर वन्यजीव अभयारण्य

### (Shoolpaneshwar Wildlife Sanctuary):

- शूलपाणेश्वर वन्यजीव अभयारण्य गुजरात राज्य के नर्मदा जिले में स्थित है। इसमें पुष्पीय पौधों की लगभग 575 प्रजातियाँ मौजूद हैं। इसमें पतझड़ वन के साथ-साथ अर्द्ध-सदाबहारीय पेड़ों की बहुतायत है। इसमें बाँस के पेड़ भी बड़ी संख्या में हैं। यह अभयारण्य 607.70 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें रीसस सलोथ बयिर, तेंदुआ, मकाक, चौसधिया, बार्कगि डीयर, छपिकली और हर्पेटो जीव जैसी प्रजातियों की व्यापक कस्में मौजूद हैं।
- इस अभयारण्य को वर्ष 1982 में 150.87 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में बनाया गया था। इसके बाद वर्ष 1987 और 1989 में अभयारण्य का क्षेत्रफल 607.70 वर्ग किलोमीटर तक वसितारित कर दिया गया।



- [भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण](#) (Inland Waterways Authority of India- IWAI) द्वारा डाइक-3 को अंतिम रूप देने से पहले बाथमेट्रिक (Bathymetric) और हाइड्रोग्राफिक (Hydrographic) सर्वेक्षण किया गया जहाँ एक चट्टानयुक्त तालाब पाया गया जिसे लोकप्रिय रूप से 'मगर तालाब' (Magar Talav) कहा जाता है क्योंकि यह मगरमच्छों से प्रभावित है।
- जनवरी 2019 से इस तालाब से मगरमच्छों को निकालने का काम जारी है, जिसके बाद मगरमच्छों का डाइक 1 और 2 से फरि से प्रवेश रोकने के लिये सीमा की फेंसिंग कार्य को भी पूरा किया गया।

### सी-प्लेन:

- सी-प्लेन एक नशिचति पंख वाला हवाई जहाज़ है जो पानी पर उतरने और उड़ने के लिये बनाया गया है।
- यह एक नाव की उपयोगिता के साथ एक हवाई जहाज़ की गति प्रदान करता है।
- सी-प्लेन मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं-

1. फ्लाईंग बोट (Flying Boats)
2. फ्लोटप्लेन (Floatplanes)

टर्मिनल के लिये साइट को अंतिम रूप दे दिया गया है क्योंकि इसके आयाम सी-प्लेन को उतारने की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं, जिसके लिये कम-से-कम छह फीट की गहराई के साथ एक जल निकाय में न्यूनतम 900 मीटर की चौड़ाई की आवश्यकता होती है।

### स्रोत-इंडियन एक्सप्रेस